

ट्रम्प टैरिफ: पश्चिम की विफल रुस रणनीति

पश्चिमी प्रतिबंध कैसे उलटे और भारत उनकी गलतियों की कीमत चुकाने से क्यों इनकार करता है



पश्चिम की रणनीतिक गलत गणना

यूएस और यूरोपीय संघ ने यूक्रेन में सैन्य हस्तक्षेप के बाद रुस पर कठोर प्रतिबंध लगाए, जिससे आर्थिक पतन की उम्मीद थी। इसके बजाय, रुस ने अनुकूलन किया जबकि पश्चिम अनपेक्षित परिणामों से जूझ रहा है।

ट्रम्प ने रुस के साथ व्यवहार करने के लिए अतिरिक्त दंड के साथ भारत पर 25% टैरिफ की घोषणा की है। उद्देश्य रुस को तेल राजस्व से वंचित करना था, लेकिन प्रतिबंध अपने रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहे हैं।

1 नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन नष्ट
2022 पाइपलाइन विस्फोट ने रुस-यूरोप ऊर्जा लिंक को तोड़ दिया

2 मूल्य सीमा लागू
दिसंबर 2022 से रुसी कच्चे तेल पर \$60 प्रति बैरल की सीमा

3 शैडो फ्लीट का उदय
रुस ने प्रतिबंधों को दरकिनारा करने के लिए 400-1,400 टैंकर बेड़े बनाए



पश्चिमी दोहरे मापदंड उजागर

यूरोप अन्य देशों से रूसी तेल और गैस का आयात जारी रखता है, जबकि उनसे इसे रोकने की मांग करता है। यह पाखंड उनके नैतिक अधिकार को कमजोर करता है और उनकी प्रतिबंध व्यवस्था की अव्यवहारिकता को उजागर करता है।

यूरोप का विरोधाभास

यूरोपीय संघ ने रूसी ऊर्जा खरीद को उत्तरोत्तर कम किया, लेकिन परिष्कृत उत्पाद यूरोप में प्रवाहित होते रहते हैं। नाटो सदस्य तुर्की, एक प्रमुख खरीदार बना हुआ है।

शिपिंग प्रतिबंध

90% शिपिंग बीमाकर्ता पश्चिमी हैं, जो उन्हें वैश्विक तेल व्यापार पर लाभ उठाते हैं। इन प्रतिबंधों के लिए कोई कानूनी आधार मौजूद नहीं है।

IAS / PCS / BANK / RO
NTPC / RAILWAY

आज का अखबार

- 👉 THE HINDU
- 👉 THE INDIAN EXPRESS
- 👉 DANIK JAGRAN



● आज का अखबार - दैनिक करंट अफेयर्स ⌚ अखबार विश्लेषण | आईएस/पीसीएस/बैंक/एनटीपीसी 📖

⌚ विषय:- आज का अखबार - दैनिक करंट अफेयर्स ⌚ अखबार विश्लेषण | आईएस/पीसीएस/बैंक/एनटीपीसी 📖

जुड़ने के लिए क्लिक करें 👉👉👉 https://www.youtube.com/live/0ofnOfCK0sU?si=__cXGN8NkpR97j7s

भारत का रणनीतिक ऊर्जा निवेश

\$16B

कुल निवेश

अक्टूबर 2023 तक रूस में भारत का निवेश

\$12.9B

रोसनेफ्ट डील

2017 में एस्सार ऑयल का रूसी अधिग्रहण

40%

आपूर्ति शेयर

रूस अब भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता है

विदेशों में भारत का सबसे बड़ा हाइड्रोकार्बन निवेश रूस में रहा है। रोसनेफ्ट ने 2024 में भारत को "रणनीतिक भागीदार" घोषित किया, जो उत्पादन, शोधन और व्यापार में सहयोग कर रहा है। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता के रूप में, भारत ने रियायती रूसी तेल के अवसर को भुनाया।

भारत की कानूनी और आर्थिक स्थिति

भारत का रुख स्पष्ट और दृढ़ है: एक राष्ट्र के रूप में जो आयातित ऊर्जा पर बहुत अधिक निर्भर है, यह राष्ट्रीय हित के अनुसार सबसे सस्ते उपलब्ध स्रोत से खरीदेगा।

कानूनी अनुपालन

भारत केवल संयुक्त राष्ट्र द्वारा अनुमोदित प्रतिबंधों को मान्यता देता है। रूसी तेल की खरीद किसी भी वैध प्रतिबंध का उल्लंघन नहीं करती है और पश्चिमी मूल्य सीमा से नीचे रहती है।

आर्थिक लाभ

केवल वित्त वर्ष 24 में रियायती रूसी तेल के माध्यम से 25 बिलियन डॉलर से अधिक की बचत हुई। कुल रूस व्यापार: 65.69 बिलियन डॉलर।

बाजार की वास्तविकता

रूसी तेल की हिस्सेदारी 2022 से पहले 2% से बढ़कर आज 40% हो गई। प्राथमिक जिम्मेदारी भारतीय लोगों के प्रति है।

कांग्रेसी अहंकार और धमकियाँ

सीनेटर लिंडसे ग्राहम और मैक्स ब्लुमेंथल रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखते हैं, विशेष रूप से भारत, चीन और ब्राजील को लक्षित करते हैं। यह उल्लेखनीय राजनीतिक अदूरदर्शिता को दर्शाता है।

"इस तरह के कदम की कल्पना करना भी शक्ति के अहंकार और एक प्रकार की उन्मुक्ति को दर्शाता है जो अमेरिका के राजनीतिक वर्ग के कुछ तत्वों की सोच को चिह्नित करता है।"

समय सामान्य ज्ञान को भ्रमित करता है: ट्रम्प चीन के साथ बातचीत करते हैं जबकि 500% टैरिफ की धमकी देते हैं। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता का लक्ष्य 2030 तक 500 बिलियन डॉलर है, फिर भी परिधीय तेल व्यापार मुद्दे व्यापक संबंधों को खतरे में डालते हैं।





OJAANKK PERSONAL MENTORSHIP

Join Telegram Channel

Only in Rs. 100/Month



By Ojaankk Sir

नाटो का अतिरेक और यूरोपीय संघ के प्रतिबंध

नाटो महासचिव रुटे ने भारत को द्वितीयक प्रतिबंधों के बारे में चेतावनी दी, जबकि उनके पास कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। यूरोपीय संघ ने रूसी संस्थाओं के स्वामित्व वाली भारतीय रिफाइनरी नायरा पर प्रतिबंध लगाए।

अभूतपूर्व अतिरेक

नाटो का दायित्व भारत को कवर नहीं करता है, फिर भी रुटे की टिप्पणियाँ अन्यथा सुझाव देती हैं। ट्रम्प ने पुतिन को शांति वार्ता के लिए 50 दिन दिए या तेल खरीदने वाले देशों पर 100% "द्वितीयक शुल्क" का सामना करना पड़ेगा।

यूरोपीय संघ का 18वां प्रतिबंध दौरे रूसी तेल प्रसंस्करण करने वाली भारतीय रिफाइनरियों को लक्षित करता है, जिसमें संपत्ति फ्रीज और शिपिंग सेवा सीमाएं शामिल हैं।

भारत की प्रतिक्रिया

नाटो के हस्तक्षेप को खारिज कर दिया, ऊर्जा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में रेखांकित किया। यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों को एकतरफा उपायों के रूप में आलोचना की जिसे भारत मान्यता नहीं देता है।

आगे का रास्ता: रणनीतिक नेविगेशन

यूक्रेन संघर्ष के पश्चिम के कुप्रबंधन के कारण वैश्विक व्यवधान जारी हैं। भारत को सावधानीपूर्वक नेविगेट करना चाहिए क्योंकि ट्रम्प भारत-अमेरिका संबंधों को तोड़ने की धमकी देते हैं जबकि यूरोप अव्यवस्था में पड़ जाता है।

1

स्वतंत्रता बनाए रखें

पश्चिमी दबाव के बावजूद ऊर्जा सुरक्षा
प्राथमिकताओं को जारी रखें

2

संबंधों का लाभ उठाएं

अमेरिकी राज्यों और भारतीय प्रवासी प्रभाव के
साथ आर्थिक संबंधों का उपयोग करें

3

रणनीतिक संतुलन

अमेरिका, यूरोप और रूस के साथ एक साथ
महत्वपूर्ण संबंधों को संरक्षित करें

भारत की चुनौती: सभी पक्षों के साथ महत्वपूर्ण संबंधों को बनाए रखना, जबकि एक अनियंत्रित ट्रम्प वैश्विक स्थिरता को बाधित करता है। पश्चिम की विफल रूस रणनीति भारत का बोझ नहीं बननी चाहिए।

Free PDF Content

पाने के लिए अभी JOIN करें



IAS with Ojaankk Sir



Ojaankk_Sir



IAS with Ojaankk Sir



8285894079



8285894079



www.ojaank.com/